# MASL–204

नाटक एवं नाटिका

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12/16/17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

## खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।
2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए—

(क) शून्यमपुत्रस्य गृहं चिरशून्यं
नास्ति यस्य सन्मित्रम्।
मूर्खस्य दिशः शून्याः
सर्वं शून्यं दरिद्रस्य॥

(ख) दीनानां कल्पवृक्षः स्वगुणफलनतः सज्जनानां कुटुम्बी
आदर्शः शिक्षितानां सुचरितनिकषः शीलवेलासमुद्रः।
सत्कर्ता नावयन्ता पुरुषगुणनिधिर्दक्षिणोदारसत्वो
ह्येकः श्लाघ्यः स जीवत्यधिकगुणतयाचोच्छ्वसन्तीवचान्ये॥

(ग) धन्यानि तेषां खलु जीवितानि
ये कामिनीनां गृहभागतानाम्।
आर्द्राणि मेघोदकशीतलानि
गात्राणि गात्रेषु परिण्वजन्ति॥

(घ) अपद्मा श्रीरेषा प्रहरणमनङ्गस्य ललितं
कुलस्त्रीणां शोको मदनवरवृक्षस्य कुसुमम्।
सलीलं गच्छन्ती रतिसमयलज्जाप्रणयिनी
रतिक्षेत्रे रङ्गे प्रियपथिकसार्थैरनुगता॥

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए—

(क) दुर्लभजनानुरागो लज्जा गुर्वी परवश आत्मा।
प्रियसाठी विषमं प्रेम मरणं शरणं न वरमेकम्॥

(ख) प्रारम्भेऽस्मिन् स्वामिनो वृद्धि-हेतौ
दैवेनेत्थं दत्तहस्तावलम्बे।
सिद्धभ्रोन्तिर्नास्ति सत्यं तथापि
स्वेच्छाचारी भीत एवास्मिभर्तुः॥

(ग) अपण्डितास्ते पुरुषामतामे
ये स्त्रीषु च श्रीषु च विश्वसन्ति।
श्रियो हि कुर्वन्ति तथैव नार्यो
भुजङ्गकन्यापरिसर्पणानि॥

(घ) दुर्वारां कुसुमशय्यथां वहन्त्या
कामिन्या यदभिहितं पुरः सखीनाम्।
तद्भूयः शिशुशुकसारिकाभिरुक्तं
धन्यानां श्रवणपथातिथित्वमेति॥

4. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड–ख

## (लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'मृच्छकटिकम्' के आधार पर चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।
2. 'मृच्छकटिकम्' के सामाजिक चित्रण पर प्रकाश डालिए।
3. 'रत्नावली' के आधार पर उदयन का चरित्र-चित्रण कीजिए।
4. 'रत्नावली' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।
5. शूद्रक कवि का परिचय दीजिए।
6. 'मृच्छकटिकम्' के प्रथम अंक का सारांश दीजिए।
7. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी अनुवाद कीजिए—

पादाग्रस्थितया मुहुः स्तनभरेणानीतया नम्रतां
शम्भोः सस्पृहलोचनत्रयपथं यान्त्या तदाराधने।
ह्रीमत्या शिरसीहतः सपुलकस्वेदोद्गमोत्कम्पया
विश्लिष्यन्कुसुमाञ्जलिर्गिरिजया क्षिप्तोऽन्तरे पातु वः॥

8. 'मृच्छकटिकम्' में चित्रित राजनीतिक चित्रण पर प्रकाश डालिए।

## खण्ड–ग

## (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. 'मृच्छकटिकम्' है—
   (अ) नाटक
   (ब) प्रकरण
   (स) अंक
   (द) वीथी

2. 'मृच्छकटिकम्' में 'सन्धिच्छेद' नामक अङ्क हैं—
   (अ) 2
   (ब) 4
   (स) 3
   (द) 8

3. 'मृच्छकटिकम्' में नायिका है—
   (अ) केवल वसन्तसेना
   (ब) केवल धूता
   (स) उपर्युक्त दोनों
   (द) कह नहीं सकते

4. शर्विलक पात्र का वर्णन मिलता है—

   (अ) मृच्छकटिकम् में

   (ब) रत्नावली में

   (स) प्रियदर्शिका में

   (द) नागानन्द में

5. चारुदत्त पर व्यवहार (न्यायालय में अभियोग) का वर्णन हुआ है—

   (अ) 2 अंक में

   (ब) 9 अंक में

   (स) 4 अंक में

   (द) 7 अंक में

6. उदयन नायक है—

   (अ) नागानन्द में

   (ब) प्रियदर्शिका में

   (स) रत्नावली में

   (द) मृच्छकटिकम् में

7. रत्नावली में निम्न स्त्री पात्र नहीं है—

   (अ) रत्नावली

   (ब) मदनिका

   (स) वासवदत्ता

   (द) सुसङ्गता

8. एन्द्रजालिका का वर्णन मिलता है—

(अ) मृच्छकटिकम् में

(ब) मालतीमाधवम् में

(स) रत्नावली में

(द) प्रियदर्शिका में

9. शकार पात्र से पीड़िता कौन है ?

(अ) रत्नावली

(ब) धूता

(स) वसन्तसेना

(द) सुसङ्गता

10. मदनिका का प्रेमी है—

(अ) शर्विलक

(ब) शकार

(स) उदयन

(द) इनमें से कोई नहीं